पी ए यू की 3 सब्ज़ी की किस्मों की खेती के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी ए यू), लुधियाना के वैज्ञानिकों ने सब्ज़ी फसलों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 39वीं वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया। इस ऑनलाइन बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर खेती के लिए पी ए यू की तीन किस्मों की पहचान की गई।

इनमें बैंगन की संकर किस्म पी बी एच एल-56 को ज़ोन-4 और ज़ोन-5 में खेती के लिए चुना गया है। ज़ोन-4 में पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड और ज़ोन-5 में राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और दिल्ली शामिल हैं।

इसी तरह, बैंगन की किस्म पंजाब भरपूर की ज़ोन-1 (जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड), ज़ोन-3 (सिक्किम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, मिज़ोरम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) और ज़ोन-8, जिस में कर्नाटक, तमिल नाडु, केरल और पुदुचेरी शामिल हैं, में खेती के लिए पहचान की गई है।

टमाटर की संकर किस्म टी एच-1214 (पी टी एच-2) को ज़ोन-4 (पंजाब, यू पी, बिहार और झारखंड) में खेती के लिए उपयुक्त पाया गया है।

पी ए यू के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रमुख तरसेम सिंह ढिल्लों ने कहा कि पी बी एच एल-56 बैंगन की एक संकर किस्म है जिसके फल लंबे और गहरे बैंगनी रंग के होते हैं। इसकी औसत उपज 274 क्विंटल प्रति एकड़ है।

पंजाब भरपूर गुच्छों में लगने वाले छोटे गोल फलों वाली बैंगन की किस्म है। इसके फल छोटे, चमकदार और गहरे बैंगनी रंग के होते हैं। इस किस्म की औसत उपज 224 क्विंटल प्रति एकड़ है।

टमाटर की संकर किस्म टी एच-1214 (पी टी एच-2) अधिक उपज देने वाली किस्म (270 क्विंटल प्रति एकड़) है जो रोपण के 114 दिनों के बाद पहली बार फल देना शुरू करती है। इसके फल गोल, गहरे लाल, मध्यम आकार के और सख्त होते हैं। यह किस्म पछेती झुलसा रोग (ब्लाइट) और जड़ सड़न जैसी बीमारियों से लड़ने की क्षमता रखती है।